गोपियाँ अबतक चुप थी। श्रीकृष्ण के लेक्चर को बडे दुःखी हो कर सुन रही थी। लेकिन कुछ नही बोल रही थी। जान रही थी कि उनको रास के लिए बुलाने के बावजूद श्रीकृष्ण जानबुझ कर सबकुछ कर रहे थे। यह एक आम अनुभव है कि यदि पत्नी और पति दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं तो स्थिति बदतर हो जाती है। यह सलाह दी जाती है कि यदि दोनों में से एक आपे के बाहर हो जाता है तो दूसरे को शांत रहना चाहिए ताकि स्थिति नियंत्रण में रह सकें।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

जब श्रीकृष्ण बोलना बंद कर दिया, तो गोपियों ने आखिरकार एक उचित जवाब दिया।
पहली बात ये कि श्रीकृष्ण सभी जीवों के साथ सदा के लिए एकमात्र सच्चे साथी हैं। जहा भी जीव जाय श्रीकृष्ण सदा उसके साथ रहते है। जीव श्रीकृष्ण से अपनी सारी ऊर्जा प्राप्त करती है उससे मन और शरीर कार्य करते है। श्रीकृष्ण गोपियों के पति के पति भी हैं, क्योंकि हर जीव श्रीकृष्णके पर वैसेही निर्भर रहता है जैसे पत्नी अपने पति पर निर्भर रहती है। श्रीकृष्ण ब्रह्मांड में एकमात्र पुरूष हैं, जबकि सभी जीव में सच्चे अर्थ में स्त्री होती है। श्रीकृष्णने जिन संबंधों की बात की थी, वह शरीर से संबंधित थी। श्रीकृष्ण हर जीव के एकमात्र रिश्तेदार हैं। श्रीकृष्ण हर जगह पर विद्यमान रहते हैं, जीव के अंतःकरण में भी रहते है। जीव जो भी सोचता है श्रीकृष्ण उसे जान लेते है। उनसे कोई भी बात छिपी नही है। इसलिए श्रीकृष्ण किसी के लिए परपुरूष नहीं है। बल्कि हर जीव का असली नातेदार श्रीकृष्ण ही है। तमेव माता...श्रीकृष्ण से ही जीव के सब नाते है। माँ, बाप, पति, भाई, बहन, पुत्र, मित्र आदि जीव के सब नाते श्रीकृष्ण से ही है।

दूसरी बात यह है कि श्रीकृष्ण का प्रवचन उन लोगों के लिए है जो स्वर्ग में रूचि रखते हैं और गोपियों को स्वर्ग या किसी भी अलौकिक शक्ति में रुचि नहीं थी। वे नरक में जाने के बारे में चिंतित नहीं थी। उनका एकमात्र उद्देश्य श्रीकृष्ण को खुश रखना

था।

तीसरी बात ये कि श्रीकृष्ण ने कहा था कि पति का परित्याग नही करना चाहिए बशर्ते कि पति पातकी न हो। जो लोग श्रीकृष्ण को यानी अपने उपकार कर्ता को अपने प्रियतम को भूले हैं, वे अपराध कर रहे हैं! फिर जो पति अपनी स्त्री को भगवान के पास क्या, भगवान की ओर भी जाने से रोकता हो वो तो पापी है ही। पाप के कारण ही तो जीव ना खुद भगवान की ओर चलता है और ना ही दूसरे को चलने देता है। ब्रज में एक भी पति ऐसा नही था कि जिसने अपनी पत्नी को रास में जाने की अनुमती दी थी। ऐसे पति को छोडना पाप नही है।

आखरी बात यह है कि गोपियाँ श्रीकृष्ण की इच्छा के अनुसार वापस जा सकती थी क्यों कि गोपियाँ श्रीकृष्ण को खुश देखना चाहती थी। लेकिन इंद्रियां अपने मन के निर्देश के अनुसार काम करती हैं। श्रीकृष्णने अपने सुंदरता, मीठे शब्दों और बांसुरी की सुखद धुन के साथ गोपियों का मन तो चुरा लिया था। तो गोपियों को अपना मन वापस मिलता तो वो अपने पाँव को घर लौटने की ऑर्डर देती।

ये सब सुनकर श्रीकृष्ण चुप हो गये।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132